सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 177 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 2 अगस्त, 2022
मूल्य ₹ 3/-

कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए और विपत्ति को अवसर में बदलिए।

-धीरूभाई अंबानी

सरकार को महंगाई पर जवाब देना... 2 | अखिलेश ने बदली रणनीति, अब... 3 | नाग पंचमी पर सजा महादेव का... 7

सोनिया गांधी से पूछताछ के बाद ईडी का नया एक्शन

नेशनल हेराल्ड के दफ्तर सहित कई ठिकानों पर छापेमारी

राहुल बोले, न डरेंगे न डराने देंगे

» मनी लॉन्डिंग मामले में जांच एजेंसी ने की कार्रवाई, राहुल गांधी से भी कर चुकी है पूछताछ

» कांग्रेस ने केंद्र पर लगाया तानाशाही का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मनी लाड्रिंग मामले में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी से पूछताछ के बाद ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने एक और एक्शन लिया है। ईडी की टीम ने आज नेशनल हेराल्ड के दफ्तर समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की। राहुल गांधी ने कई मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि न डरेंगे न डराने देंगे।

ईडी ने नेशनल हेराल्ड के दफ्तर और इससे जुड़े देश भर के करीब 12 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, खुद को अकेला मत समझना, कांग्रेस आपकी आवाज है और आप कांग्रेस की ताकत। तानाशाह के हर फरमान से जनता की आवाज दबाने की हर कोशिश से हमें लड़ना है। आपके लिए मैं और कांग्रेस पार्टी लड़ते आ रहे हैं, और आगे भी लड़ेंगे। ये सरकार चाहती है कि आप बिना सवाल किए तानाशाह की हर बात को स्वीकार करें। मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूं, इनसे डरने की और तानाशाही सहने की जरूरत नहीं है। ये डरपोक हैं, आपकी ताकत और एकता से डरते हैं, इसलिए उस पर लगातार हमला कर रहे हैं। अगर आप एकजुट हो कर इनका सामना करोगे, तो ये डर जाएंगे। मेरा आपसे वादा है, न हम डरेंगे और न इन्हें डराने देंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, आप हमें चुप नहीं करा सकते।

क्या है मामला

नेशनल हेराल्ड अखबार और इसे प्रकाशित करने वाली कंपनी एजेएल और यंग इंडियन कंपनी में वित्तीय गड़बड़ी को लेकर ईडी जांच कर रही है। सोनिया और राहुल के पास यंग इंडिया के 36 प्रतिशत शेयर थे।

सोनिया गांधी से तीन दिन तक हुई थी पूछताछ

ईडी ने हाल ही में सोनिया गांधी से तीन दिन तक पूछताछ की थी। तीन दिन की पूछताछ में ईडी ने सोनिया से 100 से ज्यादा सवाल पूछे थे। पूछताछ के दौरान उनके साथ प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। सोनिया गांधी से पूछताछ का सिलसिला 18 जुलाई को शुरू हुआ था। उस दिन उनसे करीब दो घंटे पूछताछ की गई थी तब उनसे 27-28 सवाल पूछे गए थे। ये सवाल एजेएल के माली हालत खराब होने, कांग्रेस की ओर से 90 करोड़ रुपये के लेन-देन के फैसले से जुड़े थे। 26 जुलाई को सोनिया गांधी से करीब 6 घंटे तक पूछताछ चली थी। तब सोनिया ने ज्यादातर सवालों का जवाब नहीं मालूम में ही दिया था। सोनिया ने इस दौरान सवालों से बचने की कोशिश की थी। 6 घंटे की पूछताछ में उनसे लगभग 50 सवाल पूछे गए। सोनिया के अलावा ईडी ने उनके बेटे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से इस मामले में पांच दिनों तक विभिन्न सत्रों में लगभग 50 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, आठ सौ से अधिक सरकारी वकील बर्खास्त

» अपर महाधिवक्ता विनोद कांत को भी हटाया गया नये वकीलों को किया गया नियुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 841 सरकारी वकीलों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। विधि एवं न्याय विभाग के विशेष सचिव निकुंज मित्तल की ओर से जारी आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट में नियुक्त सभी सरकारी वकीलों की सेवाएं खत्म कर दी गई हैं। वहीं राज्य सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में 366 और लखनऊ खंडपीठ में 220 नए सरकारी वकील नियुक्त किए हैं।

» समीक्षा के बाद की गयी कार्रवाई, कई सरकारी वकील रहते थे अनुपस्थित

आदेश के अनुसार इलाहाबाद हाईकोर्ट की प्रधान पीठ से 505 राज्य विधि अधिकारी और हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से 336 सरकारी वकीलों की छुट्टी कर दी गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपर महाधिवक्ता विनोद कांत को भी हटा दिया गया है। लखनऊ बेंच के दो चीफ स्टैंडिंग काउंसिल की सेवाएं समाप्त की गई हैं। साथ ही प्रधान पीठ प्रयागराज में 26 अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता हटा दिए गए हैं। इसके अलावा 33 एडिशनल गवर्नमेंट एडवोकेट, क्रिमिनल साइड के 66 और 176 सिविल ब्रीफ होल्डर को हटाया गया है। 59 एडिशनल चीफ स्टैंडिंग काउंसिल और स्टैंडिंग काउंसिल की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं। कई सरकारी वकील अनुपस्थित रहते थे। अब इस पर निर्णय लिया गया।

एमएलसी उपचुनाव में सपा को झटका, कीर्ति कोल का नामांकन रद्द

» न्यूनतम उम्र से कम होने पर खारिज किया गया पर्चा

» भाजपा के दोनों उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद सदस्य की दो रिक्त सीटों पर भाजपा के धर्मेन्द्र सिंह सैंथवार तथा निर्मला पासवान के साथ सपा की कीर्ति कोल ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। विधान भवन के टंडन हॉल में आज इन तीनों नामांकन पत्र की जांच की गई। जांच में भाजपा प्रत्याशियों का नामांकन पत्र वैध पाया गया जबकि सपा की कीर्ति कोल का नामांकन पत्र निरस्त कर दिया गया है। पर्चा रद्द होने की वजह कीर्ति कोल की उम्र बताई गई है। ऐसे में भाजपा प्रत्याशियों की निर्विरोध जीत तय है।

विधान परिषद उप चुनाव में सपा उम्मीदवार कीर्ति कोल का कम उम्र के चलते नामांकन पत्र खारिज किया गया है, विधान परिषद सदस्य के निर्वाचन के लिए न्यूनतम 30 वर्ष की आयु होनी चाहिए लेकिन समाजवादी पार्टी की विधान परिषद उम्मीदवार कीर्ति कॉल ने नामांकन पत्र में अपनी उम्र 28 वर्ष दिखाई थी। रिटर्निंग अफसर ने जांच के बाद नामांकन पत्र खारिज कर दिया।

एमएलसी प्रत्याशी उतारने पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का सपा प्रमुख पर हमला, बोले

जब संख्या बल था तब नहीं बनाया प्रत्याशी अब कर रहे आदिवासी समाज का अपमान

» कीर्ति कौल को विधान परिषद प्रत्याशी बनाए जाने पर साधा निशाना

» भाजपा हर समाज के लोगों को देती है सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के एमएलसी प्रत्याशी उतारे जाने पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने आदिवासी और जनजातीय समाज का अपमान करने का काम किया है। जब उनके पास संख्या बल था तब उन्होंने कीर्ति कोल को प्रत्याशी नहीं बनाया। तब उनकी आंखों पर सिर्फ जाति बिरादरी का चश्मा लगा था।

उन्होंने कहा कि सिर्फ भाजपा ही है जो समाज के हर वर्ग के लोगों को मान सम्मान देने का काम किया है। गौरतलब है कि कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में भाजपा के दोनों विधान परिषद प्रत्याशियों धर्मेंद्र सिंह सैंथवार और निर्मला

पासवान ने नामांकन किया। वहीं इसके बाद सपा एमएलसी प्रत्याशी कीर्ति कोल ने आज परिषद के लिये नामांकन किया। कीर्ति ने कहा कि मुझे अपनी जीत पर पूरा भरोसा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का बहुत-बहुत धन्यवाद है। जिन्होंने मुझ आदिवासी महिला को मौका दिया। मैं सभी से निवेदन करती हूं आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए मदद करें। भाजपा आदिवासी समाज से होने के नाते मुझे भी समर्थन करें।

ऑक्सीजन न मिलने से बच्ची की मौत पर ईएमटी की बर्खास्तगी का आदेश

एटा। एटा के मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन के अभाव में चार वर्षीय बच्ची मन्नू की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट के आधार पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने ईएमटी की बर्खास्तगी का आदेश दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोमवार को ट्वीट कर दी। मेडिकल कॉलेज की लचर व्यवस्थाएं और एंबुलेंस में ऑक्सीजन उपलब्ध न होने से शनिवार को चार वर्षीय बच्ची मन्नू पुत्री मुकेश कुमार निवासी नगला फकीर की मौत हो गई थी। बच्ची की मौत के बाद रविवार को सीएमओ ने जांच कर डीएम को अपनी रिपोर्ट दी। इसमें एंबुलेंस पर कार्यरत ईएमटी को दोषी बताया था।

सरकार को महंगाई पर जवाब देना होगा: संजय सिंह

» चंद पूंजीपतियों को खुश करने में जुटी है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह महंगाई समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर है। उन्होंने सोमवार को राज्यसभा में 267 का नोटिस देते हुए, महंगाई और जीएसटी के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। वहीं सदन के बाहर उन्होंने कहा कि महंगाई पर संसद में हमने चर्चा की मांग की है और सरकार को इसका जवाब देना ही होगा।

उन्होने कहा कि 750 किसानों की शहादत के बाद कहते हैं कि किसान कानून वापस ले रहे हैं। जब पूरे देश में थू-थू होने लगती है तब जाकर भाजपा बातचीत के लिए तैयार होती है। महंगाई पर अब सरकार लोक सभा में चर्चा के लिए तैयार हुई है और अब राज्य सभा में भी चर्चा होगी। संजय सिंह ने कहा कि आटा, दाल, चावल, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर सभी जरूरी, रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ा दिए हैं, जनता की कमर तोड़ दी है। टैक्स पर टैक्स लगा रहे हैं और ये इसलिए हो रहा है क्योंकि आपके चंद पूंजीपतियों को खुश रहें। ये पूंजीपति हजारों करोड़ लेकर भाग जाएं और यहां जनता पर महंगाई थोप दो, ये नहीं चलेगा। हम सवाल पूछेंगे और उन्हें जवाब देना होगा।

सीएम योगी से मिले सपा नेता रामगोपाल यादव, उत्पीड़न का उठाया मुद्दा

» 20 मिनट तक अकेले में हुई बातचीत, कहा फर्जी मुकदमे वापस ले सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर मुलाकात की। प्रो. रामगोपाल ने करीब 20 मिनट तक सीएम से अकेले में बात की है। उन्होंने सीएम योगी के समक्ष प्रदेश में जिला प्रशासन के जरिए सपा कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे लगाए जाने का मामला उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री से फौरन हस्तक्षेप कर उत्पीड़न बंद कराने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि सपा के वरिष्ठ नेता

रामगोपाल यादव ने सीएम से सपा कार्यकर्ताओं को मुकदमों में फंसाए जाने, उत्पीड़न करने की जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि फर्जी मुकदमे दर्ज होने के साथ ही उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। पिछले दिनों रामगोपाल के दो करीबियों पर भी गैंगस्टर एक्ट लगा था। उन पर सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा है। इस मुलाकात के बाद सपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा गया कि आज सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। प्रदेशभर में पिछड़ों और मुसलमानों पर एकतरफा फर्जी मुकदमे दर्ज कर उनके उत्पीड़न के संदर्भ में की बात। ट्वीट में आगे लिखा गया कि सरकार फर्जी मुकदमे वापस ले। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि प्रदेश भर में जिला प्रशासन के जरिए सपा कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश भर में खासतौर पर पिछड़ों व मुसलमानों पर एकतरफा फर्जी मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से फौरन हस्तक्षेप की मांग की।

हरीश रावत ने दिया नया नारा भुट्टा खाएंगे, कांग्रेस को लाएंगे

» प्रदेश अध्यक्ष पद से मदन कौशिक को हटाने पर भाजपा पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने भाजपा को प्रदेश अध्यक्ष बदलने पर घेरा। उन्होंने कहा कि मदन कौशिक को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के बाद जिस प्रकार भाजपा के अंदर मिठाइयां बांटी गई हैं, वह कष्टदायक है। वहीं उन्होंने भुट्टा-जलेबी पार्टी में नारा दिया कि भुट्टा खाएंगे, कांग्रेस को लाएंगे।

उन्होंने कहा कि कौशिक परिश्रमी नेता हैं। जब वह मुख्यमंत्री थे तो उनकी सरकार को कौशिक पंजों के बल खड़ा रखते थे। हरिद्वार में भी उन्हें लोक सभा चुनाव जीतने के लिए नाकों चने चबाने पड़े थे। भाजपा संभवत: उन्हें अधिक दिनों तक दरकिनार नहीं रख पाएगी। भाजपा को कहना चाहिए था कि कौशिक ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अच्छा काम किया लेकिन वहां कुछ लोग मिठाइयां बांट रहे थे। इससे

भाजपा का नया चरित्र सामने आया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का युवा प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा भाजपा के नए अध्यक्ष महेंद्र भट्ट पर भारी पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उत्तराखंडियत के अपने अभियान को जारी रखते हुए राजीव भवन में भुट्टा-जलेबी पार्टी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का नारा है भुट्टा खाएंगे, कांग्रेस को लाएंगे।

वाहन स्वामियों की समस्याओं को दूर करें एआरटीओ: सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने सभी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों (एआरटीओ) को प्रत्येक कार्य दिवस में दिन में 11 से दो बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर आमजन व वाहन स्वामियों की समस्याएं दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनों से मिलने का नियमित समय इसलिए रखा गया है ताकि सभी को इसकी जानकारी हो जाए।

उन्होंने चालान को समयबद्ध तरीके से क्राइम रजिस्टर में निर्धारित कालमों के अलावा आधी-अधूरी सूचनाएं अंकित करने पर भी नाराजगी जताई। प्रदेश के 19 जिलों में आरटीओ बैठते हैं, इन्हीं के अधीन प्रदेश के सभी जिलों में एआरटीओ बैठते हैं। कई स्थानों पर एआरटीओ के विलंब से आने की शिकायतें भी मिल रही थीं इसलिए परिवहन मंत्री ने एआरटीओ को समय पर ऑफिस आने के साथ ही आमजनों से मिलने का समय तय कर दिया है। आरटीओ व एआरटीओ कार्यालयों के निरीक्षण में यह पाया गया कि अधिकतर जगह प्रवर्तन शाखा के अधिकारी क्राइम रजिस्टर भरने के मामले में लापरवाही बरत रहे हैं। पंजीकृत वाहनों से बकाया वसूला जाए।

अखिलेश ने बदली रणनीति, अब समाजवाद में राष्ट्रवाद का तड़का

लोक सभा चुनाव से पहले जनता को संदेश देने की कोशिश

» तिरंगा अभियान में सपा बढ़-चढ़ कर होगी शामिल

» भाजपा को उसी के दांव से चित करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा और रामपुर व आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में करारी हार के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा से मुकाबले के लिए अपनी रणनीति बदल दी है। भावात्मक मुद्दों पर मात खा रही पार्टी अब उन्हीं मुद्दों पर आगे बढ़ने और अपना बनाने की मुहिम में जुट गई है। कुल मिलाकर सपा अब अपने समाजवाद में राष्ट्रवाद का तड़का लगाने जा रही है। इसके पहले चरण में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़ कर शामिल होगी। इसके जरिए वह खुद को बड़ी देशभक्त पार्टी के तौर पर पेश करेगी।

मोदी सरकार देश भर में हर घर तिरंगा अभियान जोर शोर से चला रही है। यूपी में इसकी जबरदस्त तैयारियां योगी सरकार करवा रही है। अब सपा ने अपने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने घरों में सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की है। विपक्षी दलों में सपा पहली पार्टी है जो इस मुहिम में खुल कर समर्थन में आई है जबकि बाकी विपक्षी दलों ने इस पर अभी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। सपा ने बकायदा निर्देश जारी किए हैं कि सभी कार्यकर्ता 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहरा दें। पार्टी का कहना है कि भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। सपा को 2024 के चुनाव के लिए मजबूत करने में जुटे अखिलेश यादव अब राष्ट्रवाद के सवाल पर खुद को उसके बड़े पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहते हैं। सपा ने अगस्त क्रांति दिवस के मौके पर शुरू करने जा रही पदयात्रा का नाम ही देश बचाओ- देश बनाओ रखा है। इसमें भी तिरंगा झंडा अभियान पर सबसे ज्यादा यात्रा का फोकस रहेगा। इसके जरिए समाजवादी खुद को राष्ट्रवाद व देश भक्ति के मोर्चे पर भाजपा को जवाब देना चाहती है।

साफ्ट हिंदुत्व पर भी फोकस

साफ्ट हिंदुत्व का मुद्दा सपा पहले ही अपना चुकी है। कृष्ण मंदिर, हनुमान भक्त व परशुराम की मुहिम आदि मुद्दों पर अखिलेश हिंदुत्व की बात करते हैं। हालांकि विधान सभा चुनाव में पार्टी को इसका लाभ नहीं मिला। अखिलेश की हाल में रुद्राभिषेक करते हुए फोटो भी वायरल हुई थी। सपा साफ्ट हिंदुत्व पर आगे बढ़ते हुए अब राष्ट्रवाद पर मुखर होकर भाजपा का मुकाबला करना चाहती है। हालांकि सपा को चुनाव में मुस्लिमों के बड़े वर्ग का समर्थन मिला लेकिन वह सत्ता से दूर ही रही। अब पार्टी रणनीति बदलती दिख रही है।

भाजपा घेरती रही है सपा को

असल में भाजपा ने हिंदुत्व व राष्ट्रवाद के मुद्दे पर सपा को घेरते हुए आतंकवादियों का मुद्दा खूब उछाला। भाजपा ने आरोप लगाए कि सपा राज में आतंकी गतिविधियों व दंगों में शामिल होने वालों पर मुकदमे वापस लिए गए। यही नहीं ऐसे लोगों की पिछले शासन में खास ख्याल रखा गया। सपा इन सबसे इंकार करती रही है। चुनाव में यह मुद्दा गर्माने पर वोटों का ध्रुवीकरण भी खूब हुआ उसमें भाजपा को ज्यादा फायदा हुआ।

मिशन 2024 : चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारेगी भाजपा की नई टीम

» प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ संगठन में होंगे कई बदलाव

» चित्रकूट में मंथन से संदेश साफ, कई कार्यकर्ताओं को मिल सकता है मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से सत्ता में दोबारा लौटी भाजपा की नजर अब मिशन 2024 को फतह करने पर टिक गयी है। दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है लिहाजा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी नयी रणनीति तैयार कर रहा है। माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ पार्टी संगठन में भी कई बदलाव करेगी और नयी टीम के साथ लोक सभा चुनाव में उतरेगी। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में पार्टी क्षेत्रीय और जातीय समीकरण पर भी विचार-विमर्श कर रही है।

लोक सभा चुनाव की रणनीति का खाका भाजपा ने खींच दिया है। चित्रकूट में तीन दिन चले प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग में संगठन को भी प्रशिक्षित कर दिया गया है। यह बता दिया गया है कि प्रदेश में इस रणनीति को धरातल पर कैसे उतारना है। भाजपा में सबके लिए काम का जो संदेश प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने दिया है, उसके मायने यह निकाले जा सकते हैं कि नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ ही संगठन में बड़े पैमाने पर बदलाव होने हैं और नए कार्यकर्ताओं को मौका मिलेगा। चुनावी रूपरेखा को प्रदेश की नई टीम ही धरातल पर उतारेगी। हालांकि कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देना भाजपा की पारंपरिक गतिविधि है लेकिन यह तीन दिवसीय प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी लोक सभा चुनाव की तैयारी के मोड में पूरी तरह आ चुकी है। इस बार 80 में से 75 सीटें जीतने का लक्ष्य और सारी 80 सीटें जीतने का हौसला साथ लेकर चल रही भाजपा क्षेत्र, जिला और मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं को पहले ही प्रशिक्षित कर चुकी है। उनके प्रशिक्षण वर्ग हो चुके थे और सबसे अंत में प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों और प्रदेश सरकार के मंत्रियों को प्रशिक्षित किया गया है। माना जा रहा है कि जिस तरह सरकार में बदलाव कर ऐसे मंत्रियों को बाहर किया गया, जिनका जमीन पर जुड़ाव कमजोर है या उनकी कहीं और उपयोगिता अधिक रहेगी, उसी तरह संगठन में भी बदलाव संभावित है। एक व्यक्ति, एक पद सिद्धांत के चलते वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह को यह पद छोड़ना होगा। वह प्रदेश सरकार में जलशक्ति मंत्री हैं। जल्द ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति होनी है। उसी के साथ प्रदेश और छह क्षेत्रों में भी नई टीम बनाई जाएगी।

विपक्ष को घेरने और सरकारी योजनाओं को पहुंचाने पर फोकस

चित्रकूट में एक दर्जन से अधिक बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें सारा जोर जनता के बीच भाजपा को मजबूत बनाए रखने, जनकल्याण की योजनाओं सरकार और संगठन के समन्वय से जरूरतमंदों तक पहुंचाने और विपक्ष को उसकी गलतियों पर घेरने पर रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हों या संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना जैसे वरिष्ठ नेता, सभी ने कार्यकर्ताओं को पार्टी का आधार बताया। वहीं, सुनील बंसल ने यह संदेश दिया कि संगठन में प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए काम है। सबका महत्व है।

निष्क्रिय नेताओं को किया जाएगा दरकिनार

सूत्रों के अनुसार, प्रदेश महामंत्री और उपाध्यक्ष के पद पर कई ऐसे नेता बैठे हैं, जो हैं तो किसी न किसी जिले के कोटे से लेकिन अपने जिले में उनकी सक्रियता कतई नहीं है। मसलन, लखनऊ के ही कोटे से कई बाहरी नेता पद पाए हुए हैं। ऐसे जमीनी जुड़ाव न रखने वाले पदाधिकारियों की इस बार छुट्टी कर उन्हें दूसरे काम सौंपते हुए दूसरे कार्यकर्ताओं को प्रदेश महामंत्री, उपाध्यक्ष और मंत्री जैसे पद सौंपे जाएंगे। उसी टीम पर चुनावी अभियान को धरातल पर उतारकर लोक सभा चुनाव के लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्राइमरी शिक्षा में सुधार की दरकार

भले ही प्रदेश सरकार परिषदीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए तमाम जतन कर रही हो लेकिन अभी भी शिक्षा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। तमाम स्कूल शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। लिहाजा शिक्षा के स्तर में बेहतर सुधार नहीं हो पा रहा है। सवाल यह है कि क्या प्रशिक्षित शिक्षकों और बुनियादी ढांचे के बिना स्कूलों में शिक्षा का बेहतर माहौल बन सकेगा?

भले ही प्रदेश सरकार परिषदीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए तमाम जतन कर रही हो लेकिन अभी भी शिक्षा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। तमाम स्कूल शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। लिहाजा शिक्षा के स्तर में बेहतर सुधार नहीं हो पा रहा है। सवाल यह है कि क्या प्रशिक्षित शिक्षकों और बुनियादी ढांचे के बिना स्कूलों में शिक्षा का बेहतर माहौल बन सकेगा? क्या गुणवत्ता युक्त शिक्षा के अभाव में स्कूल चलो अभियान सफल होगा? सरकार की ओर से बच्चों को यूनिफार्म से लेकर किताब-कॉपी तक उपलब्ध कराने के बाद भी हालात में सुधार क्यों नहीं हो रहे हैं ? क्या बेहतर और आधुनिक शिक्षण पद्धति को अपनाए बिना प्राइमरी स्कूलों को सार्थक बनाया जा सकता है? मध्यमवर्ग के अभिभावक आज भी इन स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने से गुरेज क्यों कर रहे हैं? आखिर इनकी खामियों को दूर करने को लेकर सरकार गंभीर क्यों नहीं है?

उत्तर प्रदेश में करीब डेढ़ लाख सरकारी स्कूल हैं और सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 1.91 करोड़ बच्चे पंजीकृत हैं। कोरोना के दौरान स्कूलों में पंजीकृत बच्चों की संख्या में काफी कमी दर्ज की गयी थी लेकिन स्कूल चलो अभियान के जरिए इस साल इसमें वृद्धि दर्ज की गयी है। स्कूलों से बच्चों को जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार मिड-डे-मील के तहत मध्यान्ह भोजन भी उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा यूनिफार्म और कॉपी-किताब के लिए सरकार अभिभावकों के खाते में पैसा भेज रही है ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो सके। प्राइमरी शिक्षा बेहतर करने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प चलाकर स्कूलों को स्मार्ट बनाने की योजना भी चलायी जा रही है। बावजूद इसके तमाम स्कूलों की हालत अभी भी बदतर है। सैकड़ों स्कूलों में आज भी बच्चों को बैठने के लिए बेंच-कुर्सी नहीं हैं। कई स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग से शौचालय नहीं बनाए गए हैं। खेल सुविधाओं का अभाव है। यही नहीं स्कूलों में पर्याप्त प्रशिक्षित शिक्षक नहीं हैं। इसके कारण शिक्षा का स्तर बेहतर नहीं हो पा रहा है। यही वजह है कि मध्यमवर्ग के लोग आज भी महंगी फीस देकर अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। प्राइमरी स्कूलों में केवल गरीब घरों के बच्चे ही आ रहे हैं। इसके अलावा ये बच्चे भी अपनी प्राइमरी की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। जाहिर है सरकार को प्राइमरी शिक्षा को बेहतर करने के लिए न केवल प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी पूरी करनी होगी बल्कि स्कूलों के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करना होगा अन्यथा गुणवत्ता युक्त शिक्षा देना केवल सपना बनकर रह जाएगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकलुभावन वादों का जटिल शास्त्र

प्रीतम बनर्जी

राजनीतिक दलों द्वारा लोकलुभावन वादे (फ्रीबीज) करने पर चर्चा लंबे समय से चली आ रही है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी के साथ इस पर नये सिरे से बहस हो रही है। लोकतंत्र में यह अधिकार सभी दलों को है कि वे लोकहित में जो अच्छा समझें, उसे जनता के सामने रखें। पहला सवाल यह है कि लोकलुभावन का मतलब क्या है? इसकी कोई सर्वमान्य या स्थापित परिभाषा नहीं है। जनता के एक वर्ग के लिए सस्ते में कोई साधन मुहैया कराया जा रहा है या आय बढ़ाने के लिए कोई सहयोग दिया जा रहा है, इसे फ्रीबीज कहना ठीक नहीं है। दुनियाभर की कल्याणकारी व्यवस्थाओं में ऐसी मदद दी जाती है. यह उन देशों में भी किया जाता है, जो आर्थिक रूप से बहुत अधिक संपन्न व समृद्ध हैं।

अनेक देशों में स्वास्थ्य व शिक्षा निशुल्क है। ऐसी सुविधाएं हर नागरिक के लिए हैं, चाहें उनकी आर्थिक स्थिति जो हो। हमारे देश में ऐसी योजनाएं आम तौर पर गरीबी रेखा से नीचे और बेहद कम आय के लोगों के लिए हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो देश राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से हमसे आगे माने जाते हैं, क्या वे और उनकी पार्टियां लोगों को लुभाने में लगी हुई हैं? क्या ऐसी योजनाओं और वादों का गलत राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है, यानी जैसा अदालत ने कहा है, क्या यह सब वोट 'खरीदने' की कवायद है? लोकतंत्र में पार्टियां लोगों के सामने अपनी नीतियों को रखती हैं। इस पर फैसला जनता को करना होता है अगर वह उन वादों पर मुहर लगाती है तो इसका मतलब है कि वह चाहती है कि वे चीजें उसे मिलें। अदालतें भी संविधान के तहत ही आती हैं। हम जानते हैं कि गणतंत्र में वही होगा, जो लोग चाहेंगे। मान लें कि किसी पार्टी ने ऐसे वादे किये पर जनता ने उसे नहीं चुना, तो उसका मतलब यह हुआ कि वे कथित फ्रीबीज लागू नहीं होंगे। इस प्रक्रिया पर कोई रोक तभी लग सकती है जब वादे संविधान के मूलभूत सिद्धांतों एवं प्रावधानों के विपरीत हों। यह सियासी दलों को तय करना होगा कि वह जनता से क्या वादा करे और क्या नहीं? जिसे फ्रीबीज कहा जा रहा है, संविधान में कहीं उस पर कोई रोक तो नहीं है। ऐसे में सबसे पहले इस पर चर्चा होनी चाहिए कि ऐसे मामलों में अदालतों का अधिकार क्षेत्र क्या होगा? यह एक सही चिंता है कि कई राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब है और वे कर्ज में डूबे हुए हैं। उनके संबंध में सबसे पहले यह समझा जाना चाहिए कि कितना वित्तीय

दबाव कल्याणकारी योजनाओं से आता है और कितना अन्य तरह के खर्च से। कई तरह के अनुदान दिये जाते हैं। ऐसी योजनाओं को इसलिए बंद नहीं किया जा सकता कि राज्य सरकार कर्ज में है। प्राथमिक शिक्षा पर भी बहुत खर्च होता है। न्यायपालिका पर भी राज्यों का खर्च है। कहीं-न-कहीं ये खर्च एक कल्याणकारी राज्य होने की अवधारणा के तहत जरूरी है। हमारे देश में खर्च की कई श्रेणियां हैं। ऐसे में, गरीब और कम आय वर्ग को कुछ राहत देने वाली योजनाओं पर ही सवाल नहीं उठाया जा सकता है। भारत में स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक में बहुत कम शुल्क लिया जाता है। इस शिक्षा का वास्तविक खर्च 30 से 40 गुना अधिक है। इसमें कोई भेदभाव भी नहीं है। शिक्षा के प्रति सरकार के संवैधानिक उत्तरदायित्व की दृष्टि से यह जरूरी है। कुल मिला कर, यह पूरा मसला जटिल है। यह ठीक है कि कुछ राज्यों ने बिना सोचे-विचारे महत्वाकांक्षी सामाजिक योजनाएं जैसे एक-दो रुपये में अनाज देना आदि,चलायीं, पर राज्यों की अर्थव्यवस्था की बदहाली के लिए दूसरे कारण अधिक जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए दो राज्यों- केरल और पश्चिम बंगाल को देखें, जो सबसे अधिक दबाव वाले राज्यों में शामिल हैं। इन राज्यों में औद्योगिकीकरण खस्ताहाल है। ऐसे में गरीबी बहुत अधिक है तो आपको सुविधाएं देनी पड़ेंगी। पश्चिम बंगाल देश में सबसे अधिक कामगार मुहैया करा रहा है। चाहे वहां के शिक्षित और अति कुशल लोग, जैसे- डॉक्टर, इंजीनियर आदि हों या अकुशल व अशिक्षित लोग हों अन्य राज्यों में कार्यरत हैं। कोरोना महामारी के दौर में केरल में जो दूसरे देशों से आमदनी आती थी वह बहुत कम हो गयी। इससे अर्थव्यवस्था चरमरा गयी है। ऐसी स्थिति के लिए कल्याण योजनाओं को न दोष देकर हमें ऐसे राज्यों की आर्थिक नीति एवं स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए तथा उसमें सुधार के प्रयास करने चाहिए। गरीबों को तो मदद देनी ही पड़ेगी और इस मसले पर राजनीतिक स्तर पर बहस भी हो सकती है कि कौन-सी फ्रीबीज या इंसेंटिव सही है और कौन-सी योजना गलत है। सभी दल सहमति बना कर चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता में संशोधन कर सकते हैं कि ऐसे वादे न किये जाएं, जिसे लागू करने से आर्थिक स्थिति और बिगड़ जायेगी। अदालत को इस मुद्दे से अलग रहना चाहिए।

वित्तीय चुनौती से जोखिम भरी होती हवाई यात्रा

तकनीकी खराबी एक ऐसा शब्द है जिसमें बड़ी से बड़ी लापरवाही को आसानी से छुपाया जा सकता है लेकिन इस बार डीजीसीए एक्शन मोड में है और इन कंपनियों को एक आदेश जारी किया गया है। अपनी शुरुआती जांच में डीजीसीए ने पाया कि लैंडिंग और अगली उड़ान भरने (टेक ऑफ) के बीच विमानों की ठीक तरीके से जांच नहीं हो रही है और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि विमानों की जांच करने वाले तकनीकी कर्मचारियों की एयरलाइन्स के पास कमी है।

ऋषभ मिश्रा

हमारे देश में हवाई यात्रा के दौरान विमान में तकनीकी खराबी और इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं अचानक से बढ़ गयी हैं। हाल ही में गो फर्स्ट की दो फ्लाइट में तकनीकी खराबी देखी गयी है। अप्रैल से जून के बीच तकनीकी खराबी की वजह से आठ बड़े हादसे होने से बचे हैं। इनमें कई विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। किसी फ्लाइट के रूट में बदलाव किया गया तो वहीं कई विमानों के इंजन में अचानक से खराबी देखी गयी, जैसे किसी इंजन में आग लग गयी या कोई अन्य समस्या आ गयी। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और डीजीसीए एयरलाइन्स कंपनियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं, जिसमें एयरलाइन्स से पिछले एक महीने में हुई तकनीकी खराबी की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गयी है ताकि इसके पीछे मौजूद तकनीकी कारणों को समझा जा सके।

दरअसल, तकनीकी खराबी एक ऐसा शब्द है जिसमें बड़ी से बड़ी लापरवाही को आसानी से छुपाया जा सकता है लेकिन इस बार डीजीसीए एक्शन मोड में है और इन कंपनियों को एक आदेश जारी किया गया है। अपनी शुरुआती जांच में डीजीसीए ने पाया कि, लैंडिंग और अगली उड़ान भरने (टेक ऑफ) के बीच विमानों की ठीक तरीके से जांच नहीं हो रही है और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि विमानों की जांच करने वाले तकनीकी कर्मचारियों की एयरलाइन्स के पास कमी है। इसके साथ ही विमान की सर्विस में काम आने वाले स्पेयर पार्ट्स की भी कमी है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि सभी जगहों पर तकनीकी कामों में अब केवल सर्टिफाइड इंजीनियर ही तैनात किया जाना चाहिए क्योंकि बहुत बार पैसा बचाने के लिए जूनियर तकनीशियन को वही काम दे दिया जाता है। डीजीसीए को अपनी जांच के दौरान ये भी पता चला कि एयरलाइन्स में एयर मेंटेनेंस इंजीनियर बहुत बार तकनीकी खराबियों का ठीक से पता ही नहीं लगा पाते, जो एक गंभीर बात है, जिससे कभी भी कोई भी विमान हादसा हो सकता है इसलिए डीजीसीए ने एयरलाइन्स को तकनीकी स्टाफ और स्पेयर पार्ट्स की कमी को दूर करने का आदेश जारी किया है।

इसी साल 6 जुलाई को डीजीसीए ने तकनीकी खराबी के कारण स्पाइसजेट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में कहा गया है कि स्पाइसजेट सुरक्षित भरोसेमंद हवाई सेवा देने में नाकाम रही है। डीजीसीए ने शुरुआती जांच में पाया कि स्पाइसजेट ने अपने विमानों की मेंटेनेंस अथवा रखरखाव ठीक से नहीं किया। कई विमानों के स्पेयर पार्ट्स में भी कमी पायी गयी। इस रिपोर्ट के आधार पर समझा जा सकता है कि ये तकनीकी खराबी से ज्यादा बहुत ही गंभीर लापरवाही का मामला है। इसका सबसे बड़ा कारण विमान कर्मचारियों के वेतन में भारी कटौती तथा बहुत से कर्मचारियों का अपनी कंपनियों से नाराज होना है। कोरोना महामारी के दौरान 2020-21 में विमान सेवाएं बंद होने के बाद भारत की एयरलाइन्स कंपनियों को हजारों करोड़ रुपये का घाटा हुआ था इसलिए इन कंपनियों ने अपने कर्मचारियों के वेतन में 40 फीसदी तक की कटौती की थी तथा बहुत से कर्मचारियों को नौकरी से भी निकाल दिया गया था। साथ ही लोगों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया गया था। विरोध होने पर इस साल जनवरी में कुछ वेतनवृद्धि की गई थी लेकिन कर्मचारी अब भी इससे नाराज हैं। केबिन क्रू और पायलट का वेतन भी कोरोना में घटाया गया था, जिसे अभी तक बहाल नहीं किया गया है।

अपनी कंपनी से नाराज कर्मचारी पूरी ईमानदारी से आखिर कब तक काम कर सकते हैं। खासतौर पर बात जब हवाई जहाज की उड़ान एवं उसकी सुरक्षा की हो, तब ये मामला और भी अधिक संवेदनशील हो जाता है। 2020-21 में एयर इंडिया एयरलाइन्स को 47 हजार करोड़ रुपये का, इंडिगो को 5829 करोड़ रुपये का, विस्तारा को 1609 करोड़ रुपये का, एयर एशिया को 1396 करोड़ रुपये का, गो एयर को 1333 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। एक अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2022 में एयरलाइन्स कंपनियों का घाटा और बढ़ जाएगा। अब प्रश्न यह है कि ये सभी एयरलाइन्स कंपनियां इस घाटे की भरपाई कहां से करेंगी। जिसके लिए ये कॉस्ट कटिंग अथवा सेवाओं में कटौती का विकल्प चुनती हैं जिसमें कर्मचारियों की संख्या, उनका वेतन और यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं में कटौती की जाती है। ऐसा करके एयरलाइन्स कंपनियां पैसे बचाती हैं और अब इसी क्रम में एयरलाइन्स कंपनियां विमानों में मेंटेनेंस के साथ भी समझौता कर रही हैं, जो कि आम नागरिकों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

डायबिटीज के मरीज बिना डरे लें ये हेल्दी स्नैक्स

डायबिटीज़ का मतलब है शरीर में ब्लड शुगर के स्तर का बढ़ जाना। ऐसा होने पर डॉक्टर्स कम कार्ब्स और चीनी की सलाह देते हैं। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों के लिए मीठे और हेल्दी स्नैक्स का विकल्प ढूंढना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में हम आपकी मुश्किल आसान कर सकते हैं। तो आइए जानें ऐसे हेल्दी स्नैक्स और डेजर्ट्स के बारे में जो डायबिटीज के मरीज़ों के लिए बेस्ट हैं।

डार्क चॉकलेट

चॉकलेट अपने लाजवाब स्वाद के लिए दुनियाभर में मशहूर है। इसे डेजर्ट और मीठे के तौर पर खाना ज्यादातर लोग पसंद करते हैं। हालांकि, मिल्क चॉकलेट की तुलना डार्क चॉकलेट शुगर, कार्ब्स और कैलोरी में कम होती है। डार्क चॉकलेट फ्लेवोनोइड्स से भरी होती है। फ्लेवोनोइड्स एक प्लांट-बेस्ड काम्पाउंड है, जो इंसुलिन प्रतिरोध को रोकने में मदद करता है और टाइप-2 डायबिटीज रोगियों को दिल की बीमारियों से बचाता है। डार्क चॉकलेट में मौजूद पॉलीफेनोल्स इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार लाते हैं, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

बेरीज और ग्रीक योगर्ट

डायबिटीज से जूझ रहे लोग बिना चीनी वाले सादे ग्रीक योगर्ट का आनंद उठा सकते हैं। प्रोटीन, कैल्शियम और प्रोबायोटिक्स की अच्छी मात्रा की वजह से यह डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। आप चाहें तो इसे हल्का मीठा बनाने के लिए योगर्ट में बेरीज भी डाल सकते हैं।

ट्रेल मिक्स

ट्रेल मिक्स बीजों, सूखे मेवों और नट्स का मिक्स होता है। इसमें बादाम, पेकन, काजू, कद्दू और सूरजमुखी के बीज ज़रूर होते हैं। यह पोषण से भरपूर होता है और डायबिटीज के मरीजों के लिए एक बेहतरीन स्नैक की तरह काम करता है। इसे बाजार से खरीदने की जगह घर पर बनाए, इस तरह यह ज्यादा हेल्दी होगा।

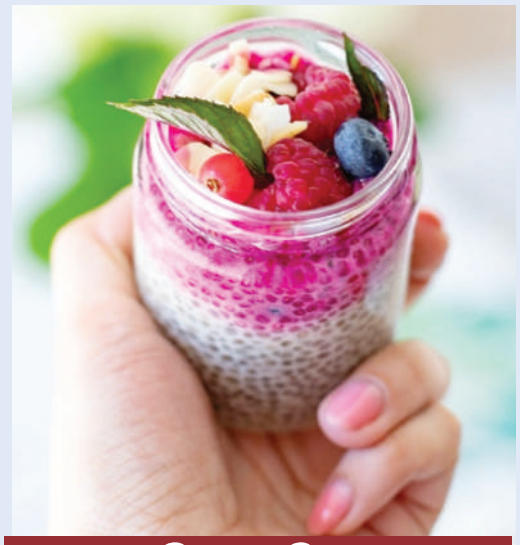

चिया पुडिंग

हेल्दी माने जाने वाले चिया सीड्स ओमेगा-3 फैट और एंटीऑक्सीडेंट से भरे होते हैं। चिया पुडिंग का सेवन शरीर को प्रोटीन, विटामिन और खनिजों का उच्च स्तर देता है जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। चिया सीड्स में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर को बढ़ने से रोकने में भी मदद करता है।

नाशपाती

नाशपाती एक मीठा फल है लेकिन दूसरे फलों की तुलना इसमें शुगर की मात्रा कम होती है इसलिए इसे डायबिटीज से पीड़ित लोग भी खा सकते हैं। नाशपाती में फाइबर और कार्ब्स होते हैं। फाइबर डायबिटीज रोगियों के लिए लाभदायक होता है क्योंकि यह ब्लड फ्लो में चीनी के अवशोषण को धीमा कर देता है। डायबिटिक लोग मीठे और आसान स्नैक के रूप में नाशपाती का आनंद ले सकते हैं।

हंसना मना है

पप्पू डॉक्टर के पास मेडिकल चेकअप करवाने गया। डॉक्टर ने पप्पू का पूरा चेकअप किया फिर बोला-बहुत दु:ख भरी खबर है आपकी एक किडनी फेल हो गई है ! यह सुनकर पप्पू रोने लगा बहुत ही रोया। डॉक्टर ने काफी देर ढांढस बंधाया, तब जाकर कहीं शांत हुआ। फिर बोला: ये तो बता दीजिये डॉक्टर साहब कि मेरी किडनी आखिर कितने नंबर से फेल हुई? डॉक्टर बेहोश।

महिला कैशियर: मुझे कुछ दिन की छुट्टी चाहिए क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरी सुन्दरता कुछ कम हो गई है। बैंक मैनेजर: क्या मतलब? महिला कैशियर: पुरूषों ने पैसे गिनकर लेना शुरू कर दिया है।

पत्नी: सुनो मेरे मुंह में मच्छर चला गया, अब क्या करूं...? पति: पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू...!

मेक अप पोते सांवली लड़की की स्कूटी भैंस से टकरा गई...लड़की अपनी स्कूटी मैकेनिक के पास लेके गई। लड़की: मुझे स्कूटी की सर्विस करानी है। मैकेनिक: मैडम इंजन में दिक्कत है और ब्रेक भी सही से काम नहीं कर रहे। लड़की: अरे वो छोटी मोटी बातें होती रहती हैं। पहले इसका शीशा ठीक करो प्लीज...

कहानी

छोटी चीज का काम बड़ा

एक हाथी गहरी नींद में सो रहा था। वह जोर-जोर से खर्राटे ले रहा था। खर्राटों की आवाज सुनकर पास के बिल से एक चूहा बाहर आया। उसने देखा कि सामने पहाड़ जैसा हाथी सो रहा था। खर्राटे के कारण उसका बड़ा-सा पेट ऊपर-नीचे हो रहा था। चूहे को यह देखकर बड़ा मजा आया। वह धीरे से उसकी सूंड़ से चढ़कर पेट तक पहुंच गया। हाथी के पेट पर बैठकर वह झूलने लगा। ऊपर-नीचे, ऊपर नीचे, बड़ा मजा आ रहा था। तभी हाथी की नींद खुली। एक छोटे से चूहे को अपने पेट पर आराम से बैठ देखकर उसे बहुत गुस्सा आया। उसने अपने पेट को जोर से हिलाया चूहा नीचे गिर गया। हाथी बोला-बेवकूफ चूहे, तेरी हिम्मत कैसे हुई मेरे पेट पर चढ़ने की? चूहा घबरा गया। माफी मांगने लगा। हाथी से बोला, दादा मुझे माफ कर दो। ऐसी गलती कभी नहीं होगी। हाथी को उस पर दया आ गई। उसने चूहे को जाने दिया। जाते समय चूहे ने कहा, दादा, कभी मेरी जरूरत हो तो बताना। आप बहुत अच्छे हैं तभी आपने मुझे छोड़ दिया। मैं भी आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहूंगा। अच्छा, नमस्ते। चूहे की बात सुनकर हाथी जोर-से हंसने लगा। चूहा चुपचाप वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद एक शिकारी जंगल में आया। चूहे ने उसे देख लिया था। उसके पास बहुत सारा सामान था। लगता है कई दिन रुकने वाला है जंगल में। चूहे ने सोचा। अगले दिन सुबह जोर की आवाज सुनकर चूहे की नींद खुली। यह तो किसी हाथी की आवाज लगती है। उसने सोचा। जब कई बार बचाओ-बचाओ की आवाजें आई तो चूहा वहां पहुंचा। सामने देखा तो वही हाथी दादा खड़े थे। एक बड़ा-सा जाल उनके ऊपर पड़ा था, जिससे वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। चूहे ने दादा को नमस्ते की। फिर वह अपने तेज दांतों से जाल काटने लगा। वह बहुत तेजी से काम कर रहा था। थोड़ी ही देर में जाल में एक बड़ा-सा छेद हो गया। हाथी उससे बाहर आ गया। अब उसे समझ आया कि छोटी चीज भी कभी-कभी बड़ा काम कर जाती है।

8 अंतर खोजें

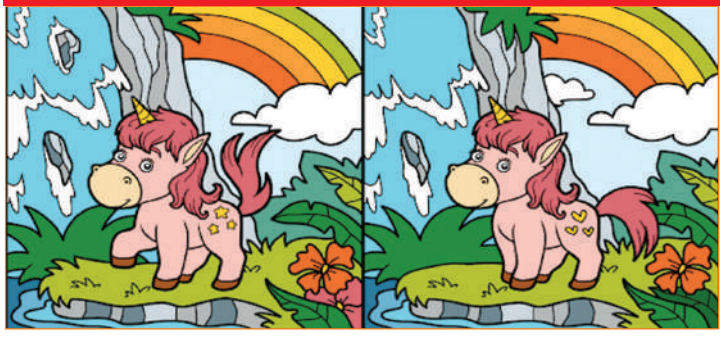

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अच्छे व्यावसायिक अवसर आपके व्यवसाय को बढ़ाने और विस्तृत करने में अति सहायक सिद्ध होंगे। आप नए क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार होंगे।

वृषभ

आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनियर अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

मिथुन

आपको नए बिजनेस, सौदे और नई नौकरी के हर तरह के ऑफर मिल सकते हैं। सोचे हुए काम पूरे होने के योग बन रहे हैं। किसी खास काम में नई शुरुआत का समय है।

कर्क

आज आपकी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की जा सकती हैं। अगर आप उच्च अध्ययन या नौकरी के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो आप निराश नहीं होंगे।

सिंह

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज कड़ी मेहनत करने की जरुरत है। किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय- मशविरा कर लेना अच्छा रहेगा।

कन्या

आगे बढ़ने के नए मौके आपको मिल सकते हैं। आप जिससे भी बात करेंगे, उसे अपनी राय से सहमत कर सकते हैं। परिवार के किसी खास मामले पर आप अपनी राय निर्णायक ढंग से रखें।

तुला

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों के लिए आज का दिन मिश्रित परिणामदायक हो सकता है। कुछ अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है और जिसके कारण आपका मन थोड़ा विचलित हो सकता है।

वृश्चिक

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में इजाफा होने के आसार नजर आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

धनु

किसी खास काम में दोस्तों की मदद मिल सकती है। महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है। आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

मकर

आपको किसी ऐसे प्रोजेक्ट से अप्रत्याशित लाभ मिलेगा जो आपके दिल के करीब है। आपकी वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा और ऋण पर दिए गए पैसे भी आप जल्द ही वसूल कर पाएंगे।

कुम्भ

आज आपका दिन शानदार रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है।

मीन

ज्यादातर काम पूरे हो सकते हैं। फायदा मिल सकता है। दोस्तों के साथ कोई कार्यक्रम भी बन सकता है। पैसों की स्थिति में सुधार करने की कोशिश करें। कोई बड़ा फैसला आप ले सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

बायकॉट लाल सिंह चड्ढा को ट्रेंड होते देख निराश हुए आमिर खान

मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है। मूवी को लेकर दर्शकों की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। रिलीज से पहले ही फिल्म को लेकर खूब हंगामा हो रहा है। इस हंगामे पर अब फिल्म में लीड रोल में नजर आने वाले अभिनेता आमिर खान का रिएक्शन सामने आया है। सोशल मीडिया पर बीते कुछ वक्त से हिंदी सिनेमा के दर्शक बॉलीवुड की ज्यादातर फिल्मों का विरोध करते दिखाई दे रहे हैं। ट्वीटर पर अक्सर फिल्मों के बॉयकॉट ट्रेंड देखे जा सकते हैं। दिनों दिन बॉलीवुड और दर्शकों के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। हाल में ही आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा को भी बायकॉट करने की मांग खूब जोर पकड़े हुए है। इस ट्रेंड से आमिर खान काफी दुखी हैं और उन्हें फिल्म की चिंता हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जब आमिर खान से पूछा गया कि फिल्म के खिलाफ बॉयकॉट कैंपेन से क्या उन्हें बुरा लगता है, इस पर आमिर खान बोले, हां मुझे बहुत दुख होता है। मुझे इस बात का भी बुरा लगता है कि कुछ लोगों को लगता है कि उनके दिल में भारत के लिए प्यार नहीं है, मैं अपने देश का सम्मान नहीं करता हूं। लोग ऐसा मानते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। प्लीज मेरी फिल्म का बॉयकॉट मत कीजिए। प्लीज मेरी फिल्म देखिए। सोशल मीडिया पर आमिर खान की फिल्म बॉयकॉट करने के पीछे एक्टर के पुराने बयान बताए जा रहे हैं। लोगों ने उनका एक पुराना बयान निकाला है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने कहा था शिव लिंग पर दूध चढ़ाना बेकार है इससे बेहतर है गरीबों को खाना खिला दिया जाए, वहीं उनकी एक्स पत्नी किरण राव ने कहा था कि उन्हें और उनके परिवार को देश में सेफ फील नहीं होता है।

सत्यप्रेम की कथा में एक दूसरे पर प्यार लुटाएंगे कियारा और कार्तिक

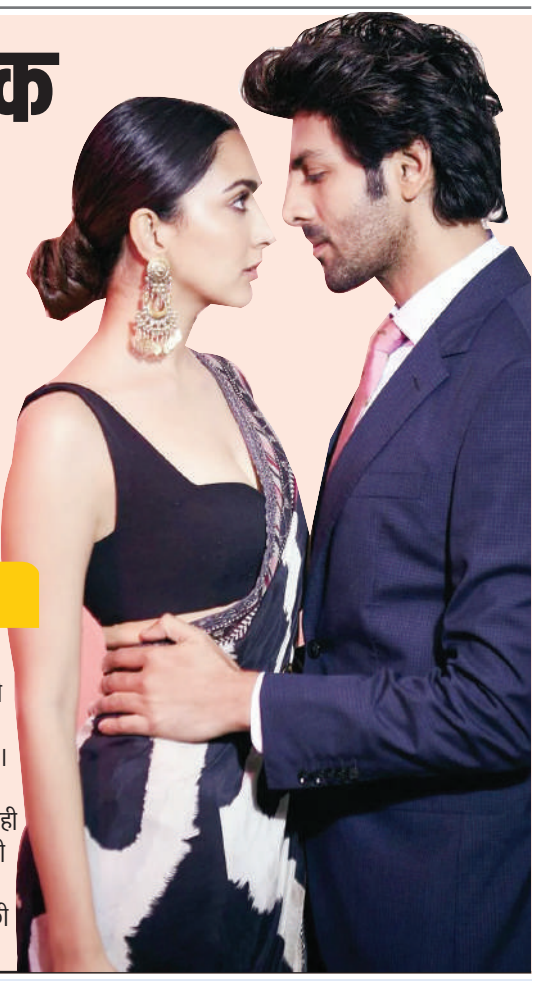

2021 जुलाई को सत्यनारायण की कथा के टाइटल की अनाउसमेंट की गई। उस दौरान मचे बवाल से फिल्म का टाइटल बदला गया। कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन स्टारर इस फिल्म पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया। टाइटल को इन्ही सब चीजों को ध्यान में रखते हुए बदला गया है। अब इंस्टाग्राम पर कार्तिक ने फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है। कार्तिक आर्यन ने सत्यप्रेम की कथा का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन सत्यप्रेम तो कियारा आडवाणी कथा के किरदार में नजर आएंगी। इस पोस्ट में कार्तिक ब्लैक जैकेट और ग्रे टी शर्ट में काफी हैंडसम लग रहे हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ ये पोस्ट बेहद रोमांटिक लग रही हैं।

बॉलीवुड | मसाला

पहले फिल्म का नाम सत्यनारायण की कथा था। कियारा आडवाणी के जन्मदिन पर ये लुक शेयर करते हुए कार्तिक आर्यन बेहद अतरंगी स्टाइल में लिखते हैं हैप्पी बर्थडे कथा तुम्हारा सत्यप्रेम। वहीं बर्थडे पोस्ट पर खुद कियारा ने भी मस्तीभरे अंदाज में रिप्लाई दिया। वो कहती हैं कि जल्द ही सेट पर मिलेंगे सत्तू। कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन को हाल ही में भूल भुलैया दो में साथ में देखा गया था। दोनों की ये फिल्म बेहद शानदार कमाई कर रही है। हाल ही में कियारा की वरुण धवन के साथ जुग जुग जियो भी रिलीज हुई। बैक टू बैक प्रोजेक्ट में कियारा बेहद बिजी चल रही हैं। वहीं कार्तिक भी अपनी सक्सेस को देखते हुए फिल्म को साइन करने की फीस बढ़ा रहे हैं।

अंगूरी भाभी बनकर फिर लौटेंगी शिल्पा शिंदे?

झलक दिखला जा 10 में शिल्पा शिंदे का होना कंफर्म बताया जा रहा है लेकिन इसी बीच एक और खबर आई है जो फैंस को खुश कर देगी। जानकारी के मुताबिक शिल्पा शिंदे 5 साल बाद टीवी पर वापसी कर रहे शो झलक दिखला जा में तो नजर आएंगी ही, लेकिन साथ ही वह पॉपुलर टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में फिर एक बार अंगूरी भाभी का किरदार निभाती नजर आ सकती हैं।

शिल्पा शिंदे ने Bhabiji Ghar Par Hain में लंबे वक्त तक अंगूरी भाभी का किरदार निभाया था जिसके बाद कुछ विवादों के बाद उन्होंने शो छोड़ दिया। इसके बाद शुभांगी अत्रे ने उनकी जगह ली और तब से लेकर अभी तक वही ये जिम्मेदारी संभालती रही हैं।

लेकिन अब हाल ही में शुभांगी अत्रे के इनजर्ड होने के बाद खबर है कि शिल्पा शो में फिर एक बार वापसी कर सकती हैं।

हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। ETimes की एक रिपोर्ट के मुताबिक चोटिल होने के बाद शुभांगी अत्रे को शिल्पा शिंदे फिर एक भार रिप्लेस करेंगी। Bhabiji Ghar Par Hain में अंगूरी भाभी के किरदार की ताकत ये है कि दोनों ही अभिनेत्रियां इस किरदार के नाम से मशहूर हो चुकी हैं। जहां तक शिल्पा शिंदे के Jhalak Dikhhla Jaa 10 में जाने की बात है तो उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, बिग बॉस मेरे करियर में माइलस्टोन रहा है, और मुझे उम्मीद है कि झलक दिखला जा भी मेरे लिए एक अच्छा एक्सपीरियंस साबित होगा। मैं कलर्स के साथ फिर से जुड़ने के लिए वास्तव में बहुत एक्साइटेड हूं। शिल्पा ने कहा कि बिग बॉस के बाद से फैंस को उनके टीवी पर वापसी करने का इंतजार था और यही वजह है कि वह ये शो कर रही हैं।

अजब-गजब | दर्शन के लिए दूर-दूर से पहुंचते हैं लोग

दुनिया का ऐसा देश जहां की जाती है अपराधियों की पूजा

दुनिया के हर देश में पूजा-पाठ के अलग-अलग नियम है लेकिन हर देश में भगवान की ही पूजा की जाती है लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां लोग भगवान की नहीं बल्कि अपराधियों की पूजा करते हैं। वैसे भी आप जानते ही हैं कि अक्सर समाज में लोग अपराधी किस्म के लोगों से खौफ खाते हैं और कुछ लोग तो कहते हैं कि वह तो उस अपराधी की पूजा करता है यानी डरता है लेकिन इस देश में लोग डर से नहीं बल्कि यकीनन उसकी पूजा करते हैं। यहां के लोग अपराधियों की बाकायदा मूर्ति बनाते हैं और उसकी पूजा करते हैं।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं टैलिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बारे में। आर्थिक संकट से गुजर रहे वेनेजुएला के लोग पुराने अपराधियों की छोटी-छोटी मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा करते हैं। स्पेनिश भाषा में इन अपराधी देवताओं को सैंटोस मैलेंड्रोस कहा जाता है। बताया जाता है कि पहले के समय के सभी बदनाम अपराधियों की छोटी-छोटी मूर्तियों को एक जगह पर रखा गया है जिसके दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

क्यों की जाती है अपराधियों की पूजा

वही कुछ लोगो का कहना है कि वेनेजुएला में जनता के बीच इन अपराधियों की छवि रॉबिनहुड वाली रही है। ये सभी अपराधी अमीर लोगों की दौलत लूटकर गरीब लोगों के बीच बांट देते थे इसीलिए यहां के लोग इन अपराधियों की पूजा करते हैं क्योंकि इन्होंने किसी की हत्या नहीं की। सिर्फ अमीरों को लूटा और गरीबों में लूटा हुआ पैसा बांट दिया। स्थानीय लोगों का मानना है कि मैंलेंड्रो ने अच्छा काम किया है जिसके लिए इन्हें कुछ इनाम दिया जाना चाहिए। अगर इनकी पूजा-अर्चना नहीं की जाएगी तो ये हमसे खफा हो जाएंगे। बता दें कि जिस तरह से हमारे देश में किसी मन्नत के पूरा होने पर चढ़ावा चढ़ाया जाता है ठीक उसी तरह वेनेजुएला के सैंटोस मैलेंड्रोज को भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है।

अपराधियों की मूर्ति के सामने मांगते हैं मन्नत

बताया जाता है कि अगर वेनेजुएला में कोई इंसान किसी बात से परेशान है, तो वो मैंलेंड्रो से मन्नत मांगता है। यही नहीं उनकी मन्नत पूरी भी होती है। जब मन्नत पूरी हो जाती है तो तो लोग सैंटोस मैलेंड्रो को चढ़ावे में शराब चढ़ाते हैं। लोगों की मान्यता है कि ऐसा करने से ये खुश होकर उन्हें वरदान देते हैं और उनका काम बन जाता है। हां लोग इस बात की सलाह देते हैं कि इन अपराधियों को चढ़ावे में ज्यादा शराब नहीं दी जानी चाहिए वरना, ये काम छोड़कर जश्न मनाने लगेंगे। इसलिए लोग उन्हें चखने भर के लिए बीयर देते हैं।

मगरमच्छ ने 15 साल तक मचाया आतंक, एक ही गांव के 80 लोगों को उतारा था मौत के घाट

मगरमच्छ बेहद ही खतरनाक जानवर होते हैं जो किसी भी जानवर या इंसान को जिंदा निगल जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे मगरमच्छ के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने एक गांव में इतना आतंक मचाया कि वह एक ही गांव के 80 लोगों को निगल गया इसीलिए इस मगरमच्छ को एक खूंखार नाम दिया गया। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अफ्रीकी देश यूगांडा के एक गांव के बारे में जहां एक मगरमच्छ 15 सालों तक लोगों के लिए मुसीबत बना रहा। इस मगरमच्छ की वजह से लोग खौफ में जीते रहे। 16 फीट लंबे इस मगरमच्छ ने गांव के 80 लोगों को मार डाला इसीलिए इसका नाम आतंकवादी 'ओसामा बिन लादेन' के नाम पर 'ओसामा' रख दिया गया। ओसामा मगरमच्छ ने साल 1990 से साल 2005 तक युगांडा के लुगंगा नामक गांव में आतंक मचा कर रखा था। इस गांव की आबादी के करीब 10वें हिस्से को उसने अपना शिकार बना लिया। बताया जाता है कि ओसामा नाम के इस मगरमच्छ 80 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। उसके आतंक से हर कोई डरने लगा था। डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओसामा मगरमच्छ अफ्रीका की सबसे बड़ी झील विक्टोरिया में रहता था। वो झील के पास जाने वाले लोगों को अपना शिकार बना लेता था। वह झील के किनारे घात लगाकर हमला करता। मौका देखते ही झील के पास खड़े शख्स पर झपटकर पानी में खींच ले जाता और उन्हें निगल जाता। इसके अलावा उसने कई बार नाव पर सवार लोगों पर भी हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक मृतक के भाई पॉल केवाल्यांगा ने बताया था कि कैसे ओसामा ने उसकी नाव पलट दी थी। जिसमें उसका भाई पीटर मारा गया था। पॉल पीछे बैठकर नाव चला रहा था जबकि उसका भाई पीटर आगे बैठकर मछली पकड़ रहा था। तभी अचानक ओसामा ने नाव को धक्का देकर पलट दिया। हमले में पीटर पानी में गिर गया, जबकि पॉल नाव को पक?ने में और अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। पीटर 5 मिनट तक ओसामा से लड़ता रहा लेकिन खूंखार मगरमच्छ से बच नहीं सका और अपनी जान गंवा बैठा। उसके बाद साल 2005 में ग्रामीणों और वन्यजीव अधिकारियों की मदद से ओसामा मगरमच्छ को पकड़ लिया गया। जिसके लिए लोगों ने 1 हफ्ते का अभियान चलाया। ओसामा को जाल में फंसाने के लिए मांस के टुकड़े का लालच दिया गया था। हालांकि खूंखार ओसामा को जब पकड़ा गया तो उसे मारा नहीं गया। वन्यजीव के ऑफिसर उसे अपने साथ ले गए।

नाग पंचमी पर सजा महादेव का दरबार, गूंजे जयकारे

» नाग देवता की पूजा-अर्चना की, गुड़ियों के मेले में उमड़ी भीड़

» पवित्र नदियों में डुबकी लगाकर लोगों ने भगवान शिव का किया अभिषेक, राज्यपाल और सीएम ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देशभर में आज धूमधाम से नागपंचमी का त्योहार मनाया गया। लोगों ने पवित्र नदियों में डुबकी लगाने के बाद भगवान शिव का अभिषेक किया और नाग देवता की पूजा-अर्चना की। लखनऊ के मनकामेश्वर समेत विभिन्न मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ा रहा।

नागपंचमी पर मंदिरों में महादेव का दरबार सजा। हर-हर महादेव के जयकारे से मंदिर परिसर गूंजते रहे। सुबह से शिव मंदिरों के पास नाग लेकर पहुंचे सपेरों ने नाग दर्शन कराकर लोगों से दक्षिणा प्राप्त की। कई स्थानों पर दंगल का आयोजन किया गया। परंपराओं का गुड़िया मेला भी सजाया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाग पंचमी के पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। राज्यपाल ने कहा कि नाग पंचमी का पर्व प्रकृति के साथ हमारे जुड़ाव का प्रतीक है। श्रावण मास में नाग पंचमी भगवान शिव संग नागों की पूजा के लिए प्रसिद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि यह भारतीय संस्कृति में जीव-जंतु, वृक्ष-वनस्पति सभी के साथ आत्मीय संबंध जोड़ने की समृद्ध एवं प्राचीन परंपरा के प्रतीक का पर्व है।

स्मृति ईरानी और उनकी बेटी के नाम रेस्त्रां का कोई लाइसेंस जारी नहीं: हाईकोर्ट

» मानहानि केस पर कांग्रेस नेताओं को कोर्ट जारी कर चुका है समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) ने सोमवार को कहा कि गोवा में स्थित सिली सोल्स कैफे एंड बार नामक रेस्त्रां के संबंध में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी या उनकी बेटी के पक्ष में कभी भी कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया। अदालत ने स्मृति ईरानी द्वारा दायर दीवानी मानहानि के मुकदमे में कांग्रेस नेताओं जयराम रमेश, पवन खेड़ा और डिसूजा को समन जारी करते हुए यह टिप्पणी की थी। ईरानी ने मानहानि के रूप में दो करोड़ रुपये की मांग की है।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्ण ने पिछले हफ्ते कांग्रेस नेताओं को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके द्वारा लगाए गए कथित आरोपों को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने का निर्देश दिया था। उन्होंने सोमवार को जारी अपने 14 पृष्ठों के विस्तृत फैसले में कहा कि दस्तावेजों पर विचार करने पर यह स्पष्ट है कि ऐसा कोई लाइसेंस नहीं है जो कभी वादी या उनकी बेटी के पक्ष में जारी किया गया था। वादी या उनकी बेटी रेस्त्रां की मालिक नहीं हैं। इसके अलावा दस्तावेजों से यह भी प्रथमदृष्टया स्पष्ट है कि स्मृति व उनकी बेटी ने कभी भी लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं किया है। रेस्त्रां या उसकी भूमि का स्वामित्व भी वादी या उनकी बेटी के पास नहीं। न तो रेस्त्रां और न ही जिस भूमि पर रेस्त्रां मौजूद है वह वादी या उसकी बेटी के स्वामित्व में है। यहां तक कि गोवा सरकार द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस वादी या उनकी बेटी के नाम पर नहीं है। इन सभी तथ्यों की भी पुष्टि की गई है।

भगवान परशुराम को जाति के आधार पर बांटने वाले संगठनों से रहें सचेत: भराला

» जल्द स्थापित होगा परशुराम विश्वविद्यालय निर्धन परिवारों के बच्चों को देंगे उच्च शिक्षा

» बैठक में समाज के लोगों को जोड़ने का लिया गया संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-34 में राष्ट्रीय परशुराम परिषद के तत्वावधान में दिव्य दक्षिणा समापन समारोह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक एवं नि. अध्यक्ष व राज्यमंत्री श्रम कल्याण परिषद उत्तर प्रदेश पंडित सुनील भराला ने कहा कि राष्ट्रीय परशुराम परिषद संगठन की इकाइयों को केन्द्र, राज्य तथा जनपद में ले जाने के लिए कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता है। परिषद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को पिछले पांच वर्ष के संगठनात्मक कार्य तथा सामाजिक कार्य का मूल्यांकन करके उसका आत्मचिंतन करना चाहिए। यह भी निर्णय लेने की आवश्यकता है कि दिव्य दक्षिणा कार्यक्रम से जुड़ने वाले कार्यकर्ताओं को सतत कार्यक्रमों के माध्यम से आपस में जुड़ना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम को जिन्होंने जाति के आधार पर बांटा है ऐसे तथाकथित संगठनों से सचेत रहने की आवश्यकता है। भगवान परशुराम के धार्मिक यात्रा एवं कार्यक्रमों में ब्राह्मणों सहित दलित, लोधी, वैश्य, ठाकुर, जाट, पटेल आदि को बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेना चाहिए तथा सभी सनातन हिन्दू नमस्कार, जय हिन्द, वन्देमातरम से एक दूसरे का अभिवादन करते हैं। ठीक उसी प्रकार जय श्री परशुराम को चलन में लाना चाहिए। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के प्रथम उद्देश्य पूर्ण होने के उपरांत अब परिषद विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु जमीन की खोज करेगा। जमीन अधिग्रहण के उपरांत भव्य परशुराम विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी। हिन्दू समाज के गरीब, निर्धन परिवारों के बच्चों को आईएएस, पीसीएस, चिकित्सक, वैज्ञानिक, आचार्य, पुरोहित बनाने का कार्य किया जायेगा। मुख्य अतिथि डा. महेश शर्मा सांसद गौतमबुद्धनगर एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय परशुराम परिषद ने 5 वर्ष से कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है। परिषद के दोनों अनुशांगिक इकाई परशुराम स्वाभिमान सेना एवं परशुराम शक्ति वाहिनी युवाओं के बीच सनातन संस्कृति को जगाने और महिलाओं के बीच महिला सशक्तिकरण का कार्य कर रही है। परिषद समाज को जोड़ने का कार्य कर रही है। इस मौके पर आईआरएस सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी प्रमोद गौतम, आर.वी. उपाध्याय, अनुज शर्मा, आचार्य राजपुरोहित मधुर आदि मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता अजीत कुमार शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष और संचालन राकेश शर्मा क्षेत्रीय महामंत्री ने की।

तो विरोधियों को ठिकाने लगाने के लिए लगाया गया ईडी को!

संजय राउत की गिरफ्तारी से शिवसेना को मिलेगी सहानुभूति

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शिवसेना नेता संजय राउत को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। संजय राउत ही नहीं बल्कि ईडी के निशाने पर भाजपा विरोधी दल हैं। ईडी ऐसे काम कर रही है मानो वह भाजपा की विंग बन गयी हो। सवाल यह है कि राउत की गिरफ्तारी के बाद क्या शिवसेना के प्रति सहानुभूति पैदा होगी? क्या विपक्ष एकजुट होगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोइटे, डॉ. राकेश पाठक, सुनील चावके, विजय सिंह, दिनेश के वोहरा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

वरिष्ठ पत्रकार सुनील चावके ने कहा कि ईडी के डर से शिवसेना के अधिकांश विधायक टूटे है। संजय राउत के जेल में जाने से शिवसेना की आवाज अब कमजोर हो गई है। शिवसेना के प्रति सहानुभूति है। ईडी का दुरुपयोग हो रहा है। विजय सिंह ने कहा कि उद्धव ठाकरे को लेकर लोगों में सहानुभूति है लेकिन संजय को लेकर नहीं है। जो पार्टी छोड़कर गए वे संजय राउत को दोषी ठहरा रहे है। वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोइटे ने कहा कि ईडी की रेड होना अब स्वाभाविक मानी जाती है। अब जिसके ऊपर रेड होती है उससे उसकी पार्टी क्या है, का पता चलता है। राजनीतिक आदमी है तो मानकर चलते है भाजपा विरोधी है। वरिष्ठ पत्रकार दिनेश के वोहरा ने कहा कि सीबीआई का उपयोग को कम इसलिए कर दिया गया क्योंकि उसे बहुत सारे राज्यों ने बैन कर दिया है। ईडी पूरे इंडिया को कवर करती है। अब इसके बाद जो सरकार आएगी वह आपको नेस्तेनाबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अति हो रही है। डॉ राकेश पाठक ने कहा कि ईडी एनडीए की बन गयी है। गठबंधन दल के रूप में काम कर रही है। ये कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए। संजय राउत हो या उद्धव ठाकरे निशाने पर तमाम सारे गैर भाजपा दल है।

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना समेत 13 प्रस्तावों पर मुहर

अयोध्या में भी मिलेंगी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसी सुविधाएं

राममंदिर के मुख्य मार्ग पर मिलेंगी नगरीय सुविधाएं विकसित होगा मॉडल सिटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकभवन में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। इस दौरान 13 प्रस्ताव पर मुहर लगी। 11 नगर पंचायत और नगर पालिका परिषद का सीमा विस्तार संबंधी नगर विकास विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। वहीं अयोध्या राममंदिर के आस-पास सड़क मार्ग का निर्माण व सौंदर्यकरण होगा। राममंदिर के मुख्यमार्ग पर सारी नगरीय सुविधाओं के साथ मॉडल सिटी के तौर विकसित होगा। यह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बनेगा। वहीं नव सृजित नगर निकायों के विकास के लिये मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना शुरू होगी।

कैबिनेट में नगर पंचायतों के गठन व विस्तारीकरण के प्रस्ताव को पास किया गया। वाराणसी नगर निगम की सीमा का विस्तार होगा। रामनगर नगरपालिका परिषद को इसमें समाहित किया गया। मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत मास्टरप्लान बनाये जाएंगे।

जनप्रतिनिधियों की सलाह ली जाएगी। रोड, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट्स, कम्युनिटी हॉल निर्माण, बाजार में जनसुविधाओं के कार्य,चौराहों पर जन कार्य, ओपन पार्क आदि के लिए इस योजना के अंतर्गत कार्य किये जायेंगे।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 243 तथा उ. प्र. नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों के अन्तर्गत इन संक्रमणशील क्षेत्रों को नगर पंचायत के रूप में गठित करने तथा पूर्व से गठित नगर पंचायतों के सीमा विस्तार के प्रकरणों पर सम्यक रूप से विचार करते हुए जनपद प्रतापगढ़ में डेरवा बाजार नई नगर पंचायत का गठन करने का निर्णय लिया गया है। वाराणसी की नगर पंचायत सूजाबाद तथा नगर पालिका परिषद रामनगर की सीमाएं नगर निगम वाराणसी की सीमा से सटी होने के कारण उक्त नगर निकायों को नगर निगम वाराणसी में सम्मिलित करते हुए नगर निगम वाराणसी का सीमा विस्तार किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके फलस्वरूप नगर पालिका परिषद रामनगर तथा नगर पंचायत सूजाबाद का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

मारा गया अल-जवाहिरी

अमेरिका ने बिना धमाका किया ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। आतंकवादी संगठन अल कायदा के सरगना अयमान अल जवाहिरी को मार गिराया गया है। अमेरिका ने काबुल में ड्रोन स्ट्राइक के जरिए इस खतरनाक मिशन को अंजाम दिया। अल-जवाहिरी की मौत की पुष्टि खुद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने की है। इस मिशन की सबसे खास बात यह है कि अमेरिका ने बिना किसी धमाके या किसी को नुकसान पहुंचाए अल-जवाहिरी को मौत की नींद सुला दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि इस हमले के लिए अमेरिका ने अपनी खतरनाक निंजा मिसाइल के नाम से पहचाने जाने वाले हेलफायर आर9एक्स हथियार का इस्तेमाल किया। यह वही हथियार है, जिससे अल-कायदा के वरिष्ठ नेता अबू अल-खैर अल-मसरी को मार दिया गया था।

सीएम से रामगोपाल की भेंट पर अरुन राजभर ने कसा तंज, कहा

यह थी प्राण बचाओ मुलाकात

» कीर्ति का नामांकन रद्द होने पर सपा प्रमख पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के साथ तलाक होने के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का हमला लगातार तेज होता जा रहा है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर के बाद अब उनके बेटे और पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुन राजभर भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव को घेर रहे हैं।

कीर्ति कोल के नामांकन पत्र के निरस्त होने पर अरुन राजभर ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव किसी भी चुनाव को लेकर कभी की गंभीर नहीं रहते हैं। वे अपने सहयोगी दल पर सवाल उठाने में लगे रहते हैं। राजभर ने कहा कि कीर्ति कोल का नामांकन पत्र निरस्त होने से पता चल गया कि सपा मुखिया कोई तो चुनाव गंभीरता से लड़ लेते। एमएलसी उपचुनाव में उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता फिर सामने आ गई है। आदिवासी हितैषी होने का ढोंग रचने की जल्दबाजी में अपने प्रत्याशी की आयु देख नहीं पाए। सब जान गए हैं कि यह आदिवासियों को अपमानित करने की साजिश थी जो अब उजागर हो गई। वहीं अरुन राजभर ने सोमवार रात को लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री तथा सपा के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर राम गोपाल यादव की भेंट पर भी तंज कसा है। अरुन राजभर ने कहा कि राम गोपाल यादव रात के अंधेरे में सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलने गए थे। अगर कार्यकर्ताओं के खिलाफ किसी मामले की बात करने गए थे तो फिर अंधेरे में क्यों गए। अब सपा सुप्रीमो बताएं कि भाजपा की आत्मा ओम प्रकाश राजभर से निकलकर प्रोफेसर रामगोपाल यादव में घुस गयी है क्या। यह शिष्टाचार मुलाकात नहीं बल्कि प्राण बचाओ मुलाकात है।

फोटो :4 पीएम

बैठक लखनऊ की विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम ऑफिस में पार्षदों की बैठक हुई जिसमें नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह और महापौर संयुक्ता भाटिया शामिल रहीं।

जलकल विभाग में भ्रष्टाचार, नियम को दरकिनार कर एक्सईएन ने दे दिया चहेती कंपनी को काम

» मेसर्स सर्वेस बिल्डर्स को दिया गया नियम विरुद्ध टेंडर, जारी है जांच पर निरस्त नहीं हुआ टेंडर

» कठौता झील के फिल्टर प्लांट के रखरखाव में अधिक पैसे पर काम देकर पहुंचाया लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलकल विभाग में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। कठौता झील के मेंटेनेस और इसके फिल्टर प्लांट के रखरखाव के लिए एक्सईएन ने अपनी चहेती कंपनी को दे दिया। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में नगर आयुक्त ने जांच तो बैठा दी लेकिन टेंडर को अभी तक निरस्त नहीं किया गया है।

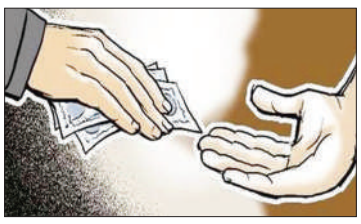

कठौता झील से नगर को 80 एमएलडी पानी सप्लाई होता है। इसके मेंटेनेंस काम होना था। पिछले 6 वर्षों से दिल्ली की एक कंपनी इसके मेंटेनेंस का काम देख रही थी। वहीं रिटायरमेंट के एक दिन पहले अधिशासी अभियंता ने 14 लाख के बढ़े खर्च पर मेसर्स सर्वेस बिल्डर्स को फिल्टर प्लांट का काम सौंप दिया। अधिशासी अभियंता ब्रजेश श्रीवास्तव ने अपने चहेते बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिए 30 जुलाई को रिटायरमेंट से पहले कर खेल किया। इसमें टेंडर नियमावली का पालन नहीं किया गया। इस फिल्टर प्लांट को बिल्डर को सौंपने से जलकल विभाग को बड़ी चपत लगी है। हैरानी की बात यह है कि जलकल के जीएम ने टेंडर को रद्द कर दिया था लेकिन एक्सईएन ने रातों-रात कंपनी को इसकी जिम्मेदारी दे दी। मेसर्स सर्वेस बिल्डर्स को नियम विरुद्ध टेंडर दिया गया। बिल्डर को 14 लाख से ज्यादा में एक्सईएन ने काम दे दिया जबकि पिछले 6 वर्षों से काम कर रही कंपनी इससे कम में काम करने को तैयार थी। जब पूरे खेल की जानकारी नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को हुई तो आनन-फानन में जांच बिठा दी लेकिन लेकिन अभी तक टेंडर निरस्त नहीं किया गया है।

पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी पर महिला ने फेंकी चप्पल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी पर आज एक महिला का गुस्सा फूट पड़ा। जांच कराने के लिए कोलकाता के ईएसआई अस्पताल लाए जाने पर वहां मौजूद एक महिला ने चटर्जी पर चप्पल फेंकी। चटर्जी व उनकी महिला सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को ईडी ने राज्य के बहुचर्चित एसएससी शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया है।

» बोली, ये जनता का धन लूट रहे

यह घटना उस वक्त हुई जब ईडी की एक टीम चटर्जी को जांच के लिए ईएसआई अस्पताल लेकर पहुंची। वहां मौजूद एक महिला चटर्जी को देख भड़क गई और उन पर अपनी चप्पल उतार कर फेंक दी। गुस्से में महिला चिल्ला रही थी कि ये नेता जनता का धन लूट रहे हैं। चटर्जी पर चप्पल फेंकनी वाली महिला ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि मैं उसे चप्पल मारने ही आई थी। उसने गरीबों का पैसा लूटा है। मुझे खुशी होती यदि चप्पल उसके सिर पर पड़ती। बताया गया है कि घटना के वक्त ईएसआई अस्पताल में चेकअप के बाद चटर्जी को पुन: ईडी के दफ्तर ले जाया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।